a2zSubjects.com

PRSU UNIVERSITY-2017

HINDI LITERATURE (Prachin Hindi Kavya)-2017

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 75*

1.(क) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 24

राम रसाइण प्रेम रस, पीवत अधिक रसाल।
कबीर पीवण दुर्लभ है, मांगे सीस कलाल।
कबीर माटी कलाल की, बहुतक बैठे आई।
सिर सौंपे सोई पीवै, नहीं तो पिया न जाई॥

या फागुन पवन झकोरा बहा। चौगुन सीख जाइ नहिं सहा॥
तन जस पियर पात भा मोरा। तेहि पर विरह देहि झकझोरा॥
तरिवर झरहिं झरहिं बन ढाखा। भई ओनंत फूल करि शाखा॥
करहि वनस्पति हिये हुलासु। मो कहँ भा जग दून उदासू॥
फागु करहि सब चाचरि जोरि। मोहि तन लाइ दीन्ह जस होरि॥

(ख) तबहि उपंग सुत आय गए।
सखा-सखा कछु अंतर नाहि, भरि-भरि अंक लाए।
अति सुंदर तन स्याम सरीखों, देखत हरि पछिताने,
ऐसे को वैसी बुधि होती ब्रज पठावै तब आने,
या आगे रास-काव्य प्रकासे जोन बचन प्रगटावै। a2zSubjects.com
सूर ज्ञान दृढ़ याके हिरदम जुवतिन जोग सिखावै॥

या रिधिसिधि-संपति नदी सुहाई। उमंगि अंबुधि कहुँ आई॥
मुनिगन पुर नर नारि सुजाती। सुचि अमोल सुंदर सब भौती॥
कहि न जाई कछु नगर विभूती। जनु एतनिय विरंचि करतूती॥
सब विधि सब पुर लोग सुखारी। रामचन्द्र मुख चंदु निहारी॥

(ग) घनआनंद जीवन मूल सुजान की, कौधन हूँ न कहूँ दरसै।
सुन जानिए धौ कित छाए रहे दृग चातक प्रान तपे तरसै।
बिन पावस तौं इन ध्यावस हो न, सु क्यों करि यौं अब सो परसै।
बदरा बरसै रितु मैं घिरिकै नित ही अँखियाँ उधरी बरसै।

या भोर तें साँझ लौं कानन-ओर निहारति बाबरी नेकु न हारति।
सांझ ते भोर लौं तारनि ताकिबों तारनि तौं इवतार न टारति।
जो कहूँ भावतो दीठि परै घनआनन्द आँसुनि औसर गारति।
मोहन-सोहन जोहन की लगियै रहै आँखिन के उर आरति।

2. 'कबीर सच्चे अर्थों में समाज सुधारक थे।' सोदाहरण समीक्षा कीजिए। 8

या जायसी के नागमती-विरह वर्णन की कलागत विशेषताएँ बताइए।

3. "सूरदास वात्सल्य रस के सम्राट है।" उदाहरण देकर इस कथन की पुष्टि कीजिए।

या तुलसीदास की भक्तिभावना पर अपने विचार व्यक्त कीजिए। 8

4. 'घनानंद प्रेम के पपीहे थे।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 8

या भक्तिकाल के हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है ? समीक्षा कीजिए। a2zSubjects.com

5. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 15

(i) विद्यापति की भाषा (ii) रहीम के काव्य में नीति तत्व (iii) कृष्ण भक्ति काव्य की प्रमुख विशेषताएँ (iv) रसखान की भक्ति भावना (v) सगुण काव्य की शाखाओं का परिचाय

6. निम्नलिखित में से किन्हीं बारह प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 12

(i) किसी एक सूफी कवि का नाम लिखिए।
(ii) कबीर के गुरु कौन थे ?
(iii) सुजान कौन है ?
(iv) सूर के आराध्य देव कौन हैं ?
(v) किस कवि को मैथिल कोकिल कहा जाता है ?
(vi) जायसी द्वारा लिखित महाकाव्य का नाम क्या है ?
(vii) भक्तिकाल को हिन्दी साहित्य में किस नाम से जाना जाता है ?
(viii) तुलसीदास द्वारा रचित महाकाव्य का नाम क्या है ?
(ix) 'सूरसारावली' के रचनाकार का नाम लिखिए।
(x) हिन्दी साहित्य के इतिहास को कितने वर्गों में बाँटा गया है ?
(xi) 'पद्मावत' महाकाव्य के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।
(xii) कबीर के 'साखी' शब्द का क्या अर्थ है ?
(xiii) रीतिकाल की तीन काव्यधाराओं के नाम लिखिए।
(xiv) किस कवि के दोहे सूक्तियों के कारण प्रसिद्ध हैं ?
(xv) समन्वयवादी कवि किसे माना गया है ?

a2zSubjects.com